नवीन पाठ्यपुस्तकों तथा नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित

संजीव®

आल इन वन

यह संजीव आल इन वन पूर्णतः नवीनतम पाठ्यपुस्तकों पर आधारित है।

- पाठ्यपुस्तकों के सम्पूर्ण अभ्यास प्रश्नों का हल
- अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- हिन्दी के पद्य पाठ, अंग्रेजी एवं संस्कृत के सभी पाठों का हिन्दी अनुवाद
- हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत में पाठ्यपुस्तकानुसार व्याकरण का समावेश
- सभी महत्त्वपूर्ण मानचित्रों का समावेश

कक्षा 7

मूल्य 680.00

संजीव प्रकाशन, जयपुर
Visit us at : www.sanjivprakashan.com

इस पुस्तक के सम्बन्ध में जानकारी

गुरुजनों से निवेदन

हमारे अनुभवी लेखकों तथा विषयाध्यापकों ने इस पुस्तक में विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त उपयोगी सामग्री प्रस्तुत की है। वस्तुतः इनमें योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों के कठिन परिश्रम का निचोड़ समाविष्ट है। प्रत्येक विषय का सरल प्रतिपादन, पाठ्य सामग्री का वर्णन और सम्प्रेषण विद्यार्थियों के स्तरानुरूप हो, इन बातों का पूरा ध्यान रखा गया है। इस पुस्तक में पाठ्यपुस्तकों के अभ्यास प्रश्नों का सम्पूर्ण हल तो दिया ही गया है साथ ही परीक्षा के दृष्टिकोण से अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का भी समावेश किया गया है। इस पुस्तक में सभी प्रमुख विषयों का पाठ्यक्रमानुसार अत्यन्त सारगर्भित वर्णन किया गया है जो कि विद्यार्थी के लिए अत्यन्त लाभप्रद होगा।

आपका सहयोग एवं आगामी संस्करण के लिए आपके बहुमूल्य सुझाव एवं निर्देश अपेक्षित हैं।

प्रकाशक

विद्यार्थियों को पुस्तक के सम्बन्ध में जानकारी

- कक्षा 7 में सत्र 2026-27 से राजस्थान पाठ्य पुस्तक मण्डल द्वारा NCERT की पाठ्यपुस्तकों को लगाया गया है। इन पाठ्यपुस्तकों में प्रत्येक अध्याय के अन्त में दिए गये अभ्यास प्रश्नों के अतिरिक्त अध्यायों के बीच-बीच में भी विभिन्न प्रकार के प्रश्न दिये हुए हैं। इन प्रश्नों में जो भी प्रश्न विद्यार्थियों के लिये उपयोगी हो सकते हैं उन सभी के उत्तर इस **संजीव आल इन वन** में दिये गये हैं। अध्याय के बीच-बीच में आये इन प्रश्नों को इस **संजीव आल इन वन** में **'पाठ-सार'** के बाद **'पाठगत प्रश्न'** शीर्षक के अन्तर्गत दिया गया है। साथ ही विद्यार्थियों की सुविधा के लिए पाठ्यपुस्तक में जिस पृष्ठ पर इस प्रकार के प्रश्न दिये गये हैं उसकी पृष्ठ संख्या भी **संजीव आल इन वन** में दी गयी है।
- प्रत्येक पाठ या अध्याय के प्रारम्भ में संक्षेप में उसका सार दिया गया है। हमारे विद्वान लेखकों ने इस पाठ-सार में 'गागर में सागर' भरने का प्रयास किया है। विद्यार्थी इसे पढ़कर पूरे पाठ का निष्कर्ष सरलता से समझ सकते हैं।
- पाठ्यपुस्तकों के समस्त अभ्यास प्रश्नों का सम्पूर्ण हल दिया गया है साथ ही परीक्षा के दृष्टिकोण से अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का भी समावेश किया गया है।
- प्रत्येक पाठ या अध्याय में **वस्तुनिष्ठ, अतिलघूत्तरात्मक, लघूत्तरात्मक** एवं **निबन्धात्मक** आदि सभी प्रकार के प्रश्नोत्तर दिये गये हैं। परीक्षा में जिस-जिस प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं, उन सभी को इस पुस्तक में दिया गया है।
- यह पुस्तक प्रश्नोत्तर रूप में श्रेष्ठ पुस्तक ही नहीं बल्कि **अभ्यास पुस्तिका** भी है। इसके अध्ययन से विद्यार्थी परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त कर सकेंगे- ऐसा हमें पूर्ण विश्वास है।

प्रकाशक

प्रकाशक
संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
© प्रकाशकाधीन

लेजर टाइपसैटिंग
संजीव प्रकाशन (D.T.P. Dept.), जयपुर

कक्षा-7 आल इन वन की विशेषताएँ

* पाठ्यपुस्तकों के सम्पूर्ण अभ्यास प्रश्नों का हल। अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नों के अन्तर्गत परीक्षोपयोगी सभी प्रकार के प्रश्नों का समावेश।
* पाठ्यपुस्तकों में अध्यायों के बीच-बीच में भी विभिन्न प्रकार के प्रश्न दिये हुए हैं। विद्यार्थियों के लिए उपयोगी इन सभी प्रश्नों के उत्तर 'पाठगत प्रश्न' शीर्षक के अन्तर्गत दिये गये हैं।
* अंग्रेजी एवं संस्कृत के सभी पाठों का कठिन शब्दार्थ सहित हिन्दी अनुवाद।
* हिन्दी के सभी पद्य पाठों की सप्रसंग व्याख्या।
* हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत में पाठ्यपुस्तकानुसार एवं पाठ्यक्रमानुसार व्याकरण का समावेश।
* सभी विषयों का वर्णन सन्तुलित दिया गया है। किसी भी विषय में न तो अनावश्यक मैटर दिया गया है और न ही किसी Topic को छोड़ा गया है।

छात्र/छात्रा का नाम .....

कक्षा ..... वर्ग .....

विषय .....

विद्यालय का नाम .....

सूचना—

इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं– email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com

पता : प्रकाशन विभाग
संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर

आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।

यद्यपि इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सभी सावधानियों का पालन किया गया है तथापि किसी भी गलती के लिए प्रकाशक या मुद्रक उत्तरदायी नहीं होंगे।

आल इन वन

कक्षा-7

विषय-सूची

ENGLISH

POORVI

Unit 1 : Learning Together

1. The Day the River Spoke 1
2. Try Again 10
3. Three Days to See 18

Unit 2 : Wit and Humour

4. Animals, Birds, And Dr. Dolittle 25
5. A Funny Man 35
6. Say The Right Thing 41

Unit 3 : Dreams And Discoveries

7. My Brother's Great Invention 52
8. Paper Boats 64
9. North, South, East, West 69

Unit 4 : Travel And Adventure

10. The Tunnel 80
11. Travel 93
12. Conquering The Summit 98

Unit 5 : Bravehearts

13. A Homage to Our Brave Soldiers 105
14. My Dear Soldiers 123
15. Rani Abbakka 127

GRAMMAR AND VOCABULARY

GRAMMAR

1. Kinds of Sentences and Punctuation 135
2. Subject–Verb Agreement 138
3. Articles 141
4. Tenses 145
5. Direct and Indirect Speech 158
6. Subordinate Conjunctions 164
7. Preposition 166
8. Modals 168

VOCABULARY

1. Sound 172
2. Missing Letters 174
3. Opposites/Antonyms 175
4. Number 179
5. Gender 184
6. Suitable Words 186
7. One Word 187
8. Prefix and Suffix 191
9. Odd One Out 194
10. Phrasal Verbs 195

READING

Unseen Passages 197-202

WRITING

1. Paragraph Writing 202-213
2. Story Writing 213-222
3. Dialogue-Writing 222-223
4. Letter/Application Writing 223-231
Letters 223
Applications 227
5. Notice Writing 231-232
6. Diary Writing 232-234
Oral Examination 234-238
Useful Words of Daily Use 238-240

हिन्दी

मल्हार

1. माँ, कह एक कहानी (कविता) 241
2. तीन बुद्धिमान (लोककथा) 250
3. फूल और काँटा (कविता) 257
4. पानी रे पानी (निबंध) 265
5. नहीं होना बीमार (कहानी) 273
6. गिरिधर कविराय की कुंडलिया (कविता) 283
7. वर्षा-बहार (कविता) 290
8. बिरजू महाराज से साक्षात्कार 299
9. चिड़िया (कविता) 308
10. मीरा के पद (पद) 318

व्याकरण-खण्ड

1. शब्द विचार 325
2. संज्ञा 326
3. सर्वनाम 327
4. विशेषण 329
5. क्रिया 330
6. विकारी शब्द के विकारक तत्व 332
   (i) लिंग (ii) वचन (iii) कारक (iv) काल
7. अव्यय 334
8. उपसर्ग 335
9. प्रत्यय 336
10. सन्धि 338
11. समास 339
12. पर्यायवाची/समानार्थी शब्द 340
13. अनेकार्थी शब्द 341
14. एकल/स्थानापन्न शब्द 342
15. विलोम/विपरीतार्थक शब्द 343
16. शब्द युग्म/श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द 344
17. वाक्य विचार 345
18. विराम चिह्न 346
19. अशुद्धि 348
20. मुहावरे 348
21. लोकोक्तियाँ/कहावतें 351

रचना

1. अपठित 353
2. पत्र-लेखन 356
3. निबन्ध/अनुच्छेद 359
4. कहानी-लेखन 366
5. संवाद-लेखन 369
6. सूचना-लेखन 371
7. विज्ञापन-लेखन 373

संस्कृत

दीपकम्

प्रथमः पाठः वन्दे भारतमातरम् 376
द्वितीयः पाठः नित्यं पिबामः सुभाषितरसम् 383
तृतीयः पाठः मित्राय नमः 388
चतुर्थः पाठः न लभ्यते चेत् आम्लं द्राक्षाफलम् 393
पञ्चमः पाठः सेवा हि परमो धर्मः 397
षष्ठः पाठः क्रीडाम वयं श्लोकान्त्याक्षरीम् 403
सप्तमः पाठः ईशावास्यम् इदं सर्वम् 410

अष्टमः पाठः हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः 416
नवमः पाठः अन्नाद् भवन्ति भूतानि 422
दशमः पाठः दशमः कः? 427
एकादशः पाठः द्वीपेषु रम्यः द्वीपोऽण्डमानः 433
द्वादशः पाठः वीराङ्गना पन्नाधाया 439

व्याकरण एवं लेखन/रचना

(परिशिष्ट सहित)

1. वर्ण मात्रा-परिचयः 445-448
2. कारकम्-प्रकरणम् 449-451
3. शब्द-रूपाणि 451-457
4. धातु-रूपाणि 457-461
5. संख्यावाचकाः शब्दाः (1 से 100) 461-463
6. विशेषण 463-464
7. सन्धि-ज्ञानम् 464-466
8. प्रत्यय 466-468
9. उपसर्ग-ज्ञानम् 468-469
10. अव्यय-ज्ञानम् 469-471
11. विलोम-पदानि 471-472
12. पर्याय-पदानि 472
13. चित्र-वर्णनम् (वाक्य रचना) 472-473
14. प्रार्थना-पत्रम् 473-474
15. संस्कृत अनुवाद 474-475
16. लघु निबन्ध रचना 475-476
17. कथालेखनम् 477
18. अपठित-अवबोधनम् 477-479

श्लोक-लेखनम् 479

विज्ञान

जिज्ञासा

1. विज्ञान का निरंतर बढ़ता संसार 480
2. पदार्थों का अन्वेषण-अम्लीय, क्षारीय एवं उदासीन 480
3. विद्युत-परिपथ एवं उनके घटक 487
4. धातुओं और अधातुओं का संसार 494
5. हमारे आस-पास के परिवर्तन-भौतिक एवं रासायनिक 501
6. किशोरावस्था-वृद्धि एवं परिवर्तन की अवस्था 508
7. प्रकृति में ऊष्मा का स्थानांतरण 516
8. समय एवं गति का मापन 525
9. जंतुओं में जैव प्रक्रम 531
10. पादपों में जैव प्रक्रम 537
11. प्रकाश-छाया एवं परावर्तन 545
12. पृथ्वी, चंद्रमा एवं सूर्य 552

गणित

गणित प्रकाश-भाग 1

1. हमारे आस-पास की बड़ी संख्याएँ 559
2. अंकगणितीय व्यंजक 568
3. बिंदु से परे एक दृष्टि 578
4. अक्षर-संख्याओं के उपयोगी व्यंजक 593
5. समांतर और प्रतिच्छेदी रेखाएँ 605
6. संख्याओं का खेल 615
7. तीन प्रतिच्छेदी रेखाओं की एक कथा 627
8. भिन्नों के साथ कार्य करना 643

सामाजिक विज्ञान

समाज का अध्ययन : भारत और उसके आगे-भाग 1

विषय (क)–भारत एवं विश्व : भूभाग एवं उनके निवासी

1. भारत की भौगोलिक विविधता 657
2. मौसम को समझना 666
3. भारत की जलवायु 674

विषय (ख)–अतीत के चित्रपट

4. नवारंभ–नगर एवं राज्य 683
5. साम्राज्यों का उदय 690
6. पुनर्गठन का काल 703
7. गुप्त काल–अथक सृजनशीलता का युग 715

विषय (ग)–हमारी सांस्कृतिक विरासत एवं ज्ञान परंपराएँ

8. भौगोलिक क्षेत्र कैसे पावन होते हैं? 723

विषय (घ)–शासन प्रणाली और लोकतंत्र

9. शासक से शासित तक–सरकार के प्रकार 732
10. भारत का संविधान–एक परिचय 742

विषय (ङ)–हमारे आस-पास का आर्थिक जीवन

11. वस्तु विनिमय से मुद्रा तक 752
12. बाजारों की समझ 760

हमारा राजस्थान–भाग-2

1. वन एवं वन्य जीव संरक्षण 770
2. खनिज एवं ऊर्जा संसाधन 774
3. कृषि एवं सिंचाई 778
4. हमारे मोटे अनाज 781
5. राजस्थान में कृषि विपणन 784
6. राजस्थान में व्यापार 787
7. राजस्थान के प्रमुख शासक 790
8. आजादी का आंदोलन और राजस्थान 793
9. आजादी से पूर्व राजस्थान में सामाजिक-शैक्षणिक सुधार 798
10. संविधान निर्माण में राजस्थान का योगदान 802
11. विश्व धरोहर सूची में राजस्थान का गौरव 806
12. डिजिटल राजस्थान 809

मानचित्र संबंधी प्रश्न 814-816

◆◆◆

ये हम नहीं कहते, जमाना कहता है

संजीव बुक्स है नं. 1

कक्षा 3 से एम.ए. के लिये

राजस्थान पत्रिका — **राजस्थान का प्रमुख दैनिक**

जयपुर, 2 अगस्त, 2024

विद्यार्थियों के सर्वे में संजीव बुक्स सबसे आगे

जयपुर पत्रिका। हाल ही में किए गए एक मौखिक सर्वे के अनुसार संजीव बुक्स विद्यार्थियों की पहली पसंद बनी हुई हैं। संजीव बुक्स के बारे में विद्यार्थियों का कहना है कि उन्हें इसमें सरल भाषा में पूरा पाठ्यक्रम, पर्याप्त संख्या में प्रश्न-उत्तर, प्रमाणित आंकड़े, नवीनतम जानकारी उचित मूल्य पर उपलब्ध हो जाती है। इसीलिए सभी विद्यार्थी सहायक पुस्तकों के रूप में संजीव बुक्स को ही खरीदना पसंद करते हैं। संजीव प्रकाशन द्वारा प्रकाशित संजीव बुक्स, संजीव इंग्लिश कोर्स, संजीव साइंस पाठ्य पुस्तकें, रिफ्रेशर आदि कक्षा 3 से 12 तक के विद्यार्थियों में बेहद लोकप्रिय हैं। संजीव प्रकाशन के निदेशक प्रदीप मित्तल व मनोज मित्तल ने बताया कि कक्षा 3 से 9 के लिए संजीव आल इन वन तथा कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव बुक्स प्रकाशित की जाती हैं। संजीव बुक्स ही बाजार में उपलब्ध एकमात्र ऐसी बुक हैं जो पूर्णतः नए पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार की जाती हैं।

दैनिक भास्कर — **राजस्थान का प्रमुख दैनिक**

जयपुर, 3 अगस्त, 2024

विद्यार्थियों में सबसे लोकप्रिय संजीव बुक्स

जयपुर। हाल ही में हुए एक मौखिक सर्वे के अनुसार संजीव बुक्स विद्यार्थियों की पहली पसंद बनी हुई हैं। संजीव बुक्स की लोकप्रियता पर विद्यार्थियों से बात करने पर उन्होंने बताया कि संजीव बुक्स में उन्हें सरल भाषा में पूरा पाठ्यक्रम, पर्याप्त संख्या में प्रश्न-उत्तर, प्रमाणित आंकड़े, नवीनतम जानकारी उचित मूल्य पर उपलब्ध हो जाती है। इसीलिए सभी विद्यार्थी सहायक पुस्तकों के रूप में संजीव बुक्स को ही खरीदना पसंद करते हैं। अपनी उच्च गुणवत्तायुक्त पाठ्यसामग्री, नवीनतम घटनाक्रम, प्रमाणित आंकड़ों तथा सरल भाषा के चलते संजीव प्रकाशन द्वारा प्रकाशित संजीव बुक्स, संजीव इंग्लिश कोर्स, संजीव साइंस पाठ्य पुस्तकें, संजीव रिफ्रेशर आदि पुस्तकें कक्षा 3 से 12 तक के विद्यार्थियों की पहली पसंद बनी हुई हैं। संजीव प्रकाशन के निदेशक प्रदीप मित्तल एवं मनोज मित्तल ने बताया कि कक्षा 3 से 9 के लिए संजीव आल इन वन तथा कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव बुक्स प्रकाशित की जाती हैं।

दैनिक नवज्योति — **राजस्थान का प्रमुख दैनिक**

जयपुर, 2 अगस्त, 2024

विद्यार्थियों में सर्वाधिक लोकप्रिय संजीव बुक्स

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर। हाल ही में किए गए एक मौखिक सर्वे के अनुसार संजीव बुक्स विद्यार्थियों की पहली पसंद बनी हुई हैं। संजीव बुक्स की लोकप्रियता के बारे में विद्यार्थियों से बात करने पर उन्होंने बताया कि संजीव बुक्स में उन्हें सरल भाषा में पूरा पाठ्यक्रम, पर्याप्त संख्या में प्रश्न-उत्तर, प्रमाणित आंकड़े, नवीनतम जानकारी उचित मूल्य पर उपलब्ध हो जाती है। इसीलिए सभी विद्यार्थी सहायक पुस्तकों के रूप में संजीव बुक्स को ही खरीदना पसंद करते हैं। अपनी उच्च गुणवत्तायुक्त पाठ्यसामग्री, नवीनतम घटनाक्रम, प्रमाणित आंकड़ों तथा सरल भाषा के चलते संजीव प्रकाशन की ओर से प्रकाशित संजीव बुक्स, संजीव इंग्लिश कोर्स, संजीव साइंस पाठ्य पुस्तकें, संजीव रिफ्रेशर आदि पुस्तकें कक्षा 3 से 12 तक के विद्यार्थियों की पहली पसन्द बनी हुई हैं।

संजीव प्रकाशन के निदेशक प्रदीप मित्तल एवं मनोज मित्तल ने बताया कि कक्षा 3 से 9 के लिए संजीव आल इन वन तथा कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव बुक्स प्रकाशित की जाती हैं। विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी विषय को आसानी से समझने के लिए कक्षा 6 से 12 के लिए संजीव इंग्लिश कोर्स प्रकाशित किए जाते हैं जो कि अंग्रेजी विषय की सर्वाधिक लोकप्रिय पुस्तकें हैं। कक्षा 11 एवं 12 के साइन्स के विद्यार्थियों की विशेष आवश्यकता को देखते हुए संजीव साइन्स की उच्च स्तरीय पाठ्यपुस्तकें अंग्रेजी एवं हिन्दी दोनों माध्यमों में प्रकाशित की जाती हैं। अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 3 से 9 के लिए संजीव रिफ्रेशर, ऑल इन वन तथा कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव रिफ्रेशर प्रकाशित की जाती हैं।

प्रकाशक : संजीव प्रकाशन, जयपुर

English—Class 7

POORVI

Unit-1 : LEARNING TOGETHER
[साथ-साथ सीखना]

1. The Day the River Spoke
[वह दिन जब नदी ने बात की]

—Kamala Nair

Let us do these activities before we read.

[Do it yourselves.]

Let us read–

कठिन शब्दार्थ एवं हिन्दी अनुवाद

I

A big bright tear ..... you know''. (Pages 2-3)

कठिन शब्दार्थ–bright (ब्राइट्) = चमकीला। **tear** (टिअ (र्)) = आँसू। **splashed** (स्पलैश्ट्) = छलका (आँसू)। **kingfisher** (किङ्फिश (र्)) = चमकीला नीला पक्षी; कौड़िल्ला। **lizard** (लिज़ड्) = छिपकली। **slithered** (स्लिदर्ड्) = सरकी या रेंगी। **bask** (बास्क्) = धूप सेंकना। **murmuring** (ममरिंग्) = धीमी आवाज में बोलना, **startled** (स्टाट्ल्ड्) = चौंक गई। **thicket** (थिकिट) = घना झाड़ीदार स्थान। **shrieked** (श्रीक्ट्) = चीख कर बोले। **puzzled** (पज़्ल्ड्) = उलझनग्रस्त।

हिन्दी अनुवाद–एक बड़ा चमकीला आँसू उसकी नाक से होकर टपक गया। और फिर एक और। एक किंगफिशर नीचे की ओर झपटा, इसके पंख धूप में नीले तीर की तरह थे। और एक हरी छिपकली धूप सेंकने के लिए नदी के किनारे तक सरक कर आई।

''अरे, अरे!'' एक नींद भरी, बुदबुदाती आवाज़ ने कहा, ''क्या बात है?''

जाह्नवी चौंक गई, क्योंकि उसे यकीन था कि वह बिल्कुल अकेली थी। यह छिपकली नहीं हो सकती थी और किंगफिशर तो बाँस के झुरमुट में ऊपर बैठा उस मछली को खा रहा था जिसे उसने पकड़ा था। यह तोते नहीं हो सकते थे, क्योंकि तोते तो चिल्लाते थे और यह इतनी नींद भरी आवाज थी। उसने अपने चारों ओर देखा। आस-पास कोई नजर नहीं आ रहा था। वह काफी डर गई थी और भाग जाना चाहती थी।

''तुम्हें रोना नहीं चाहिए, तुम जानती हो,'' आवाज ने आगे कहा—''और तुम्हें वास्तव में डरना भी नहीं चाहिए, जबकि तुम यहाँ मुझसे मिलने हर दिन आती रही हो, ठीक है, लगभग हर दिन।''

वह असमंजस में थी। यह ऐसी आवाज़ थी, जैसे नदी की। यह नदी तो नहीं हो सकती!

''अच्छा, मुझे सब कुछ बता दो,'' नदी ने कहा, क्योंकि वह नदी ही थी। ''मुझे समुद्र तक पहुँचने के लिए जल्दी करनी है, तुम जानती हो।''

''They won't let me ..... like me!'' (Page 3)

कठिन शब्दार्थ–replied (रिप्लाइड) = जवाब दिया। **minding** (माइन्डिंग) = देखभाल करना, संभालना। **fields** (फील्ड्ज़) = खेत, मैदान। **nearly** (निअली) = लगभग, करीब-करीब। **sob** (सॉब्) = सिसकना। **scared** (स्केअड्) = भयभीत। **elder** (एल्ड (र्)) = आयु में बड़ा। **rustle** (रस्ल्) = सरसराना। **frogs**

(फ़्रॉग्ज़) = मेंढक। **breathless** (ब्रेथ्लस्) = हाँफते हुए। **conspiratorially** (कन्स्पिरट(र्)ली) = भेद की बात बताते हुए, गुप्त रूप से। **Mountains** (माउन्टन्ज्) = पर्वत।

हिन्दी अनुवाद–"वे मुझे विद्यालय नहीं जाने देंगे," जाह्नवी ने कहा। "मैंने अपनी माँ से पूछा, "मैं एट्टन और मीना की तरह स्कूल क्यों नहीं जा सकती?" और माँ ने जवाब दिया था, "तुम बहुत छोटी हो, बच्ची! शायद बाद में।" लेकिन जब वह पाँच साल की थी, छोटा रामू पैदा हुआ और माँ ने तब भी कहा, "शायद अगले साल। जाह्नवी, अपने छोटे भाई का ध्यान रखना जब तक मैं खेतों में जाती हूँ।" अब वह लगभग दस साल की थी और छोटे अप्पू की देखभाल कर रही थी, जो सबसे छोटा था। "वे मुझे नहीं चाहते। वे केवल....."—वह सिसकी के साथ रुक गई.....

"मुझे स्कूल जाने में डर लगता है और अब मैं इतनी बड़ी हो गई हूँ, वे मुझे कभी नहीं जाने देंगे। लेकिन मैं जाना चाहती हूँ। मैं एट्टन और मीना की तरह पढ़ना सीखना चाहती हूँ।" जाह्नवी अपने भाई को 'एट्टन' कहती थी। एट्टन का मतलब है 'बड़ा भाई', लेकिन उसका असली नाम गोपी था। "मैं जानना चाहती हूँ कि पीले फूलों में मकड़ियाँ पीली क्यों होती हैं, बाँस के पेड़ सरसराते क्यों हैं, चाँद हमेशा पहाड़ियों के पीछे से क्यों आता है, कभी दूसरी तरफ से क्यों नहीं, खेत के पानी में छोटी मछलियाँ मेंढक क्यों बन जाती हैं, क्यों....."

"रुको!" नदी ने कहा। "तुम मुझे बेदम कर देती हो। इतने सारे क्यों!" मैं तुम्हें बता सकती हूँ कि चाँद कहा जाता है, "नदी ने भेद की बात बताते हुए कहा।" "वह समुद्र की ओर नीचे जाता है। मैंने देखा है; वह हमेशा वही रास्ता लेता है—पहाड़ों के ऊपर से और नीचे समुद्र की ओर, मेरी तरह!"

Let us discuss (आइये चर्चा करें)– (Page 3)

Q. 1. What was Jahnavi's dream? Was it important to her? Why?
जाह्नवी का सपना क्या था? क्या यह उसके लिए महत्त्वपूर्ण था? क्यों?

Ans. Jahnavi's dream was to go to school and learn to read like Ettan and Meena. Yes, it was very important to her because she was curious about many things. She wanted to know why spiders are yellow in yellow flowers, why bamboo trees rustle, and why the moon comes from behind the hills. She wanted education to get answers to her questions.
जाह्नवी का सपना विद्यालय जाना और एट्टन तथा मीना की तरह पढ़ना सीखना था। हाँ, यह उसके लिए बहुत महत्त्वपूर्ण था क्योंकि वह कई चीजों के बारे में जिज्ञासु थी। वह जानना चाहती थी कि पीले फूलों में मकड़ियाँ पीली क्यों होती हैं, बाँस के पेड़ सरसराते क्यों हैं, और चांद पहाड़ियों के पीछे से क्यों आता है। वह अपने सवालों के जवाब पाने के लिए शिक्षा चाहती थी।

Q. 2. Do you think the river can help her in fulfilling her dream? How?
क्या आपको लगता है कि नदी उसके सपने को पूरा करने में उसकी मदद कर सकती है? कैसे?

Ans. Yes, the river can help Jahnavi. The river is her friend who listens to her problems. The river can encourage her and give her confidence to go to school. The river has already started teaching her by answering her questions. The river can help Jahnavi be brave and talk to her family about going to school.
हाँ, नदी जाह्नवी की मदद कर सकती है। नदी उसकी सहेली है जो उसकी समस्याएँ सुनती है। नदी उसे प्रोत्साहित कर सकती है और स्कूल जाने का आत्मविश्वास दे सकती है। नदी ने उसके सवालों के जवाब देकर उसे पहले से ही सिखाना शुरू कर दिया है। नदी उसकी साहसी बनने और अपने परिवार से विद्यालय जाने के बारे में बात करने में मदद कर सकती है।

II

"Even little Ramu ..... she listened. (Pages 4-5)

कठिन शब्दार्थ–pity (पिटि) = दया। **suppose** (सपोज़्) = मान लेना, समझना। **slipped** (स्लिप्ट्) = फिसल गई, सरक गई। **clump** (क्लम्प्) = पौधों अथवा वृक्षों का कुंज, झुरमुट। **rattling** (रैट्लिङ्) = खड़खड़ाने की आवाज़्। **prefer** (प्रिफ़ (र्)) = अधिक पसंद करना। **startled** (स्टार्ट्ल्ड्) = चौंक गई।